Nai Dunia (Indore), 23rd January 2021, Page-4

आइआइटी और मेपकास्ट में एमओयू खगोल विज्ञान में करेंगे मिलकर शोध

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) भोपाल एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी), इंदौर के बीच एक एमओयू साइन हुआ है। दोनों संस्थानों ने खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी के क्षेत्र में हुए सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अंतर्गत दोनों संस्थान शोध, संचार, शिक्षा और विकास से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर सहयोग करेंगे।

जल्द ही आइआइटी इंदौर में एक तारामंडल भी स्थापित किया जाएगा। संस्थानों की ओर से कहा गया है कि मोबाइल तारामंडल का उद्देश्य विद्यार्थियों में खगोल विज्ञान में रुचि पैदा करना है। परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने भोपाल में एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद कहा है कि खगोल विज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रमों, विंटर स्कूल, संगोष्ठियों आदि का आयोजन किया जाएगा। उज्जैन में पहले से तारामंडल है। उसके कार्यक्रमों में आइआइटी के विद्यार्थियों को सहभागी बनाया जाएगा।

महानिदेशक ने बताया कि दोनों संस्थान खगोल भौतिकी विशेष रूप से ऑप्टिकल एस्ट्रोनॉमी में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं में सहयोग करेंगे। आगे की योजना है कि इंदौर स्थित आइआइटी के जरिए डोंगला स्थित वराहमिहिर वेधशाला के खगोलीय प्रेक्षणों को नियंत्रित किया जाएगा। निकट भविष्य में यह संभव होगा। उल्लेखनीय है कि कोरोना काल में आइआइटी ने कोविड, मेडिकल साइंस जैसे कई अहम शोध किए। ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित व मान्य हुए।

आइआइटी अपना सहयोग खगोलीय शोधों के लिए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डाटा विश्लेषण डोम का ऑटोमेशन और ब्रह्मांडीय पिंडों की खगोलीय फोटोग्राफी के क्षेत्र में भी देगा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के निदेशक डॉ. नीलेश कुमार जैन ने अपनी संस्था की ओर से हस्ताक्षर करते हुए इस दिशा में उम्मीद जताई है।